Course code	Kavya, Vyakaran & Bhasa Vigyan Paper- I (DSE/GE – 8A)	L	T	P	C
BSANL20Y301	काव्य, व्याकरण और भाषा विज्ञान	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में संस्कृत साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- संस्कृत भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।
- काव्य, व्याकरण और भाषा विज्ञान के ज्ञान में रुचि जाग्रत करना।

Course Outcome:

- संस्कृत भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- संस्कृत भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।
- काव्य, व्याकरण और भाषा विज्ञान का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियां एवं प्रयोगों का विकास होना।
- भाषा एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- काव्य, व्याकरण और भाषा विज्ञान का सतत अभ्यास होना।

Unit - 1	15

- श्रीमद्भगवद्गीता – द्वितीय अध्याय श्लोक नं. 1–50 तक (व्याख्या एवं प्रश्न)

Unit - 2	15

- पंचतंत्र, गीतगोविन्द का सामान्य परिचय।

Unit – 3	15

- उपनिषदों का सामान्य परिचय, ईशावास्योपनिषद् – श्लोक संख्या 1–18 तक (व्याख्या एवं प्रश्न)

Unit - 4	15

- व्याकरण – (लघुसिद्धांत कौमुदी से)
- कृदन्त – अनीयर्, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्।
- तद्धित – अण्, मतुप्, इनि, त्व, तल्, ढक्।
- स्त्रीप्रत्यय – टाप् डीप्।

आनंद Akhshay

Unit - 5	15
सामान्य परिचय– • भाषा विज्ञान– भाषा का स्वरूप महत्व तथा उपभाषा • भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय (ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, अर्थ विज्ञान और वाक्य विज्ञान)। • संस्कृत का भाषा विज्ञान को योगदान	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			

Text Book(s) / Reference Books

1. श्रीमद् भगवत गीता, – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2. पंचतंत्र – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
3. नीतिशतकम, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी -- भट्टोजि दीक्षित, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, महेश सिंह कुशवाहा
5. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
6. तुलनात्मक भाषा शास्त्र – डॉ.मंगलदेव शास्त्री।
7. संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. भोलाशंकर व्यास, भारतीय ज्ञान पीठ, काशी
8. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र -- डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
9. संस्कृत व्याकरण शास्त्र दोनो भाग का इतिहास – पं. युधिष्ठिर मीमांसक।
10. वैदिक वांगमय का इतिहास, श्री रमाकांत शास्त्री चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
11. अभिनव वेद दीपिका, डॉ. रमाकांत पांडेय, जगदीश पुस्तकालय, जयपुर।

Course code	Kavya, Ras, Chand & Alankar Paper – II, (DSE/GE – 8B)	L	T	P	C
		3	2	0	5
BSANL20Y302	काव्य, रस, छंद एंव अलंकार	Syllabus version			
Pre-requisite	Nil	50 Marks			

Course Objectives:

1. काव्य, रस, छंद एवं अलंकारो का विशेषज्ञता के साथ ज्ञान प्रदान करना।
2. विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
3. छात्रों में संस्कृत साहित्य के प्रति रूचि जाग्रत करना।
4. संस्कृत भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
5. भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।
6. भाषा से संबंधित भाषा दोषों को दूर करना।

Course Outcome:

1. संस्कृत भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. संस्कृत भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।
3. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के ज्ञान को विस्तारित एवं प्रसारित करना।
4. संस्कृत के शुद्ध वाचन की क्षमता उत्पन्न कर काव्य, रस, छंद एव अलंकार की संयोजना से धारा प्रवाह काव्य लेखन एवं काव्य पाठ संभाषण की योग्यता को विकसित करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
2. छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
3. भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियो एवं प्रयोगों का विकास होना।
4. भाषा एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
5. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान का विशेषज्ञता के साथ छात्र को दक्ष बनाना।
6. छात्रों को मौखिक एवं लिखित विचारों की अभिव्यक्ति के योग्य बनाना।

Unit - 1	15

- किरातार्जुनीयम् का सामान्य परिचय, किरातायुर्जनीयम – प्रथम सर्ग

(व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

Unit – 2	15

- उत्तररामचरितम् –प्रथम अंक (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

Unit – 3	15

- नीतिशतक – श्लोक संख्या 1–30 तक व्याख्या, कौटिल्य के अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय।

Unit – 4	15

- संस्कृत काव्य – विधाओं का परिचय –

(महाकाव्य, गीतिकाव्य, गद्यकाव्य, कथाकाव्य तथा चम्पू काव्य)

Unit - 5	15

- रस, छंद एवं अलंकार
- रस का सामान्य परिचय : परिभाषा एवं प्रकार

आनंद जैन

Ashutosh

• छन्द : अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, वंशस्थम्, वसन्ततिलका, मन्दाक्रांता, • शार्दूलविक्रीड़ितम्, स्रग्धरा। • अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, • विभावना, विशेषोक्ति (काव्य प्रकाश से)।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			

Text Book(s) / Reference Books

1. संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद, खण्डेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा – डॉ.केशवराम मुंसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
3. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ. त्रयम्बक देश पाण्डे
4. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
5 किरातार्जुनीयम् – चौखम्बा प्रकाशन वाराणरी।
6. उत्तरराम चरितम् – महाकवि भवभूति, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
7. काव्यप्रकाश – मम्मट व्याख्या – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
8. काव्य प्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर, सिद्धांत शिरोमणि, ज्ञानमण्डल, वाराणसी।
9. काव्यशास्त्र – डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा, वाराणसी।
10. साहित्य दर्पण – डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
11. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।
12. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।
13. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. रामजी उपाध्याय।
14. अलंकार चिंतामणि – आ. अजित सेन।

Ayam आनंद जैन Abhishay